ও বন্ধু ! দেখ্‌লে তোমায়, বুকের মাঝে
জোয়ার-ভাঁটা খেলে।
আমি এক্‌লা ঘাটে কুলবধূ কেন তুমি এলে
বন্ধু, কেন তুমি এলে ॥

ও বন্ধু, আমার অঙ্গে কাঁটা দিয়ে ওঠে
বাজাও যখন বাঁশী
আমি খিড়্‌কী দুয়ার দিয়ে বন্ধু,
জল ভরিতে আসি
ভেসে' নয়ন-জলে ঘরে ফিরি
ঘাটে কলস ফেলে ॥

আমার পাড়ায়, বন্ধু, তোমার নাম যদি নেয় কেউ
বুকে আমার দুলে ওঠে পদ্মা নদীর ঢেউ
বন্ধু পদ্মা নদীর ঢেউ।

ওগো ও চাঁদ, এনো না আর
দু'কূল-ভাঙা এমন জোয়ার
কত ছল ক'রে জল লুকাই চোখের
কাঁচা কাঠে আগুন জেলে ॥

H.M.V. N 17185 ॥ শিল্পী ঃ শ্রীমতী পদ্মারানী চট্টোপাধ্যায় ॥ সুর ঃ কাজী নজরুল ॥
লোকগীতি ॥ তাল ঃ কাহার্‌বা

গা -মা II { পণা -ধণা | -র্সা -পা I পা -া | -া -া I না -সা | সা -র্সা I সা -া | র্রনা -না I
ও ০ ব০ ০০ ০০ ন্ ধু ০ ০ ০ দে খ্ লে ০ তো ০ মা০ য়্

I র্সনা -ধা | নধা -পা I ধপা -মা | পমা -গা I -া -া | -া -া I গা -মা | পাঃ -র্সঃ I
বু০ ০ কে০ র্ মা০ ০ ঝে০ ০ ০ ০ ০ ০ জো ০ য়া ০

[পা পা]
আ মি
I -র্সা -গা | গা মা I মা -মপা | পা -া I -া -া | (গা মা)} I পা -া | ^{প}-ধা ধা I
O রূ ভাঁ টা খে OO লে O O O ও O এ O কৃ ষ্ণা

I ধা -া | ণধা -পা I পা ^{প}-র্সা | নর্সা -নধা I ধণা -ধা | ^{ধ}পা -া I -া -া | পধা পা I
ঘ O রেO O কু O লO OO বO O ধূ O O O কেO ন

I -া মা | ^{ম}গা -মা I রগা -পমা | ^{ম}গা -া I গা -মা | ধা -া I -ণধা -পা | পধা ^{পধ}পা I
O তু মি O এO OO লে O ব ন্ ধূ O OO O কেO ন

I -মা গা | রাঃ -সঃ I সরা -া | ^{র}সা -া I -া -া | গা -মা I পণা -ধণা | -পধা -পা I
O তু মি O এO O লে O O O ও O বO Oন OO O

I পা -া | -া -া I -া -া | পা পা I ^{প}-ধা ধা | -র্সা র্সা I র্সা -া | র্সা -া I
ধূ O O O O O আ মা রূ অ ঙ্ গে কাঁ O টা O

I র্সা $^{র্স}$-র্রা | র্রাঃ -র্সঃ I র্সর্রা -র্গর্রা | $^{র্র}$র্সা -া I -া -া | র্সা র্সা I -র্রা র্রা | র্রা -র্সা I
দি O য়ে O ওO OO ঠে O O O বা জা ও ব ধ ন্

I র্গর্রা -র্গর্মা | র্রর্গা -া I -া -র্মর্গা | -র্রা -া I $^{র্র}$-র্সা -া | -া -া I -া -া | পা পা I
বাঁO OO শীO O O OO O O OO O O O O আ মি

[-ধা]
I {-া ধা | -র্সা র্সা I র্সা -া | র্সর্রা -র্সর্রর্সা | না -র্সা | র্সনা -ধপা I পা -ধা | ধনা -া I
O খি ড় কি দু O য়াO OOর্ দি O য়েO OO ব ন্ ধূO O

[ধণা ণা]
কেO লে
I ^{ধ}-া ণা | -র্সা ণা I ধাঃ -পঃ | পধা -পমা I মা ^{ম}-পা | পা -া I -া -া | (পা পা)} I
O জ ন্ ভ রি O তেO OO মা O গি O O O আ মি

I মা -ধা | ধা -া I ধা -া | ণধা -পা I -া -া | পধা পা I -া মা | গা -া I
ম O য় ন্ জ O লেO O O O ঘO রে O ফি রি O

I -া -া | গপা মা I -া গা | রা: -স: I সগা -রগা | -সরা: -স: I [র]সা -া | -া -া I
O O ঘাO টে O ক ল স্ খেO OO OO O লে O O O

I -া -া | গা মগা I -রসা সা | ণ্ধ্া -ণ্া I সা -গা | গমা -গরা I -সা [স]-রা | সা -া I
O O আ মাO Oর্ পা ড়াO য়্ ব ন্ ধুO OO O তো মা র্

I -া সা | -গা রা I গা -মা | মপা -মা I মপা -মা | -গা -া I -া -া | -া -া I
O না র্ ব দি O নেO য়্ কেO O উ O O O O O

I -া -া | মা মা I -ধা ধা | ধণা [প]-ধা I -পা -া | পা পধা I -ণা ধা | [ধ]ণা -ধা I
O O বু কে O আ মাO O O র্ দু লেO O ও ঠে O

I [ধ]-পা পা | -া [ধ]ণা I ধণা -ধা | পমা -পা I [ম]পা -া | -া পা I পা -ধা | নর্সা -না I
O প O দ্মা নO O দীO র্ চে O উ ও ব ন্ ধুO O

I -ধনধা পা | -া [ধ]ণা I ধণা -ধা | পমা -পা I [ম]পা -া | -া -া I -া -া | পা ধা I
OOO প O দ্মা নO O দীO র্ চে O O উ O O ও গো

I {-ধর্সা র্সা | র্সা -া I র্সা -া | সর্রা -র্সা I [র]র্সা -া | র্সা -া I -া -পা | র্সা র্সা I
OO ও চাঁ দ্ এ O নোO O না O আ O র্ O দু ধু

[পা ধা]
ক ত

I -র্রা র্রা | র্রর্গা -র্রর্গা I র্সা -র্রা | র্গা: -র্মর্গা: I র্রা: -র্সা: | র্সা -া I -া -া | (পা ধা)} I
ল্ ভা ঙাO OO এ O ম On জো O রা O O র্ ও গো

I ধ-র্সা র্সা | -া র্সা I র্সা -া | র্সর্রা সর -র্সা I না -র্সা | না -ধা I পা -ধা | না -া I
০ ছল্ ০ ক' রে ০ জ০ ল্ লু ০ কা ই চো ০ খে ০

I -া র্সা | -া র্সা I র্সা -া | র্সর্রা সর -র্সা I না -র্সা | না -ধা I পা -ধা | ধনা -া I
র্ ছল্ ০ ক' রে ০ জ০ ল্ লু ০ কা ই চো ০ খে ০

I -া -া | {না না I র্সা -র্রা | র্সর্রা -র্সর্রর্সা I নর্সা -নধা | ধপা -মা I পমা -া | মগা -া I
০ র্ কাঁ চা কা ০ ঠে০ ০০০ আ০ ০০ শু ন্ ভো০ ০ লে ০

I -া -া} | গা -মা II II
০ ০ "ও ০"